भारत सरकार
रेल मंत्रालय

राज्य सभा
11.08.2023 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2674 का उत्तर

उत्तर पश्चिम, उत्तर और उत्तर मध्य जोन में रेल परियोजनाएं

2674. श्री कार्तिकेय शर्माः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान रेलवे के उत्तर पश्चिम, उत्तर और उत्तर मध्य जोन में कितनी रेल परियोजनाएं प्रस्तावित की गई हैं;

(ख) कितनी रेल परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं;

(ग) शेष परियोजनाएं कब तक पूरी कर ली जाएंगी; और

(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान इन रेल परियोजनाओं के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

******

s.k

उत्तर पश्चिम, उत्तर और उत्तर मध्य जोन में रेल परियोजनाओं के संबंध में 11.08.2023 को राज्य सभा में श्री कार्तिकेय शर्मा के अतारांकित प्रश्न सं. 2674 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित **विवरण।**

(क) से (घ): पिछले पांच वर्षों के दौरान अर्थात वित्त वर्ष 2018-19 , वित्त वर्ष 2019-20, वित्त वर्ष 2020-21, वित्त वर्ष 2021-22 , वित्त वर्ष 2022-23 और वर्तमान वित्त वर्ष 2023-24 तक , उत्तर पश्चिम, उत्तर और उत्तर मध्य रेलवे में 9 ,807 किलोमीटर की कुल लंबाई के 166 सर्वेक्षण कार्य (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) को मंजूरी दी गई और उक्त अवधि के दौरान इन क्षेत्रीय रेलों में 1103 कि.मी. की कुल लंबाई और 17,183 करोड़ रुपए की लागत की 35 परियोजनाएं (06 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन, 27 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई थी।

01.04.2023 की स्थिति के अनुसार, उत्तर पश्चिम, उत्तर और उत्तर मध्य रेलवे में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाली 8,489 किलोमीटर कुल लंबाई की लगभग 1.70 लाख करोड़ रु. लागत की 93 रेल अवसंरचनात्मक परियोजनाएं (29 नई लाइन , 06 आमान परिवर्तन और 5 8 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं , जिनमें से मार्च 2023 तक 1 ,470 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और इन परियोजनाओं पर 68 ,352 करोड़ रु. का व्य0य किया गया है।

पिछले पांच वर्षों के दौरान अर्थात वित्त वर्ष 2018-19 , वित्त वर्ष 2019-20 , वित्त वर्ष 2020-21 , वित्त वर्ष 2021-22 , वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान उत्तर पश्चिम , उत्तर और उत्तर मध्य रेलवे में 20,836 करोड़ रुपये की लागत पर 2815 किलोमीटर कुल लंबाई की 51 परियोजनाएं (06 नई लाइन, 05 आमान परिवर्तन और 40 दोहरीकरण) कमीशन की गई हैं।

लागत, व्यय और परिव्यय सहित रेल परियोजनाओं का रेलवे-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट अर्थात www.indianrailways.gov.in **>**Ministry of Railways**>**Railway Board **>**About Indian Railways **>**Railway Board Directorates **>**Finance (Budget) **>**Pink Book (Year)**>** Railway wise Works Machinery and Rolling Stock Programme (RSP) पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है जिसमें उत्तर पश्चिम, उत्तर और उत्तर मध्य रेलवे के सभी चल रहे कार्यों का विवरण उपलब्ध कराया गया है।

पिछले पांच वित्तीय वर्षों और वर्तमान वित्तीय वर्ष (अर्थात वित्त वर्ष 2018-19 से वित्त वर्ष 2023-24 तक) के दौरान उत्तर पश्चिम, उत्तर और उत्तर मध्य जोनों में स्वीकृत रेल विद्युतीकरण संबंधी परियोजनाएं निम्नानुसार हैं:

जोन	**परियोजनाओं की संख्या**	**लागत (करोड़ रु. में)**
उत्तर पश्चिम	15	2409
उत्तर	19	1370
उत्तर मध्य	2	220
कुल	**36**	**3999**

पिछले पांच वित्तीय वर्षों और वर्तमान वित्त वर्ष (अर्थात 2018-19 से 2023-24 तक) के दौरान भारतीय रेल पर 29,312 किलोमीटर (किमी) के खंडों का विद्युतीकरण किया गया है , जिसमें

s.k

उत्तर पश्चिम जोन में 3,653 किमी, उत्तर जोन में 3,137 किमी और उत्तर मध्य जोन में 1,196 किमी शामिल हैं।

हाल ही में , रेल मंत्रालय ने भारतीय रेल पर रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। यह योजना दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना करती है। इसमें प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता ओं को ध्यान में रखते हुए स्टेशनों पर स्टेशन पहुंच मार्ग , परिसंचारी क्षेत्रों , प्रतीक्षालयों, शौचालयों, आवश्यकतानुसार लिफ्टें/एस्केलेटर, सफाई, निशुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क , बेहतर यात्री सूचना प्रणाली , एग्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्धारित स्थान, भूनिर्माण आदि जैसी सुविधाओं में सुधार हेतु मास्टर प्लान तैयार करने और चरणबद्ध रूप से इनका कार्यान्वयन शामिल है।

इस योजना में स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन को शहर के दोनों छोर के साथ एकीकृत करना , मल्टीमॉडल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं , टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल समाधान , गिट्टी रहित पटरियों का प्रावधान , आवश्यकता, चरणबद्ध रूप से और व्यवहार्यता के अनुसार 'रूफ प्लाजा' तथा लंबी अवधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

इस योजना के अंतर्गत उत्तर मध्य रेलवे , उत्तर पश्चिम रेलवे और उत्तर रेलवे में क्रमश 54 , 75 और 144 स्टेशनों की पहचान की गई है। अमृत भारत स्टेशन योजना के लिए योजना शीर्ष यात्री सुविधाओं के अंतर्गत निधि आवंटन मुहैया कराया गया है।

किसी भी परियोजना का समय से पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण , वन विभाग के प्राधिकारियों द्वारा वन संबंधी मंजूरी, संबंधित विभागों, राज्य सरकारों/मंत्रालयों की ओर से स्वीकृति, लागत में हिस्सेदारी से संबंधित परियोजनाओं में संबंधित राज्य सरकारों द्वारा लागत हिस्सेदारी जमा करना, बाधक जनोपयोगी सेवाओं की शिफ्टिंग , विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक स्थिति , परियोजना(ओं) की साइट के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु स्थिति को ध्यान में रखते हुए परियोजना विशेष की साइट के लिए वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या , राज्य ऊर्जा संबंधी उपयोगिताओं द्वारा ट्रांसमिशन लाइन संबंधी कार्यों को पूरा करने और कार्यान्वयन के दौरान कानून एवं व्यवस्था संबंधी मामलों का समाधान जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है । ये सभी कारक परियोजना(ओं) के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अतः इस समय परियोजनाओं को पूरा करने के लिए, कोई निश्चित समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती।

उत्तर, उत्तर मध्य और उत्तर पश्चिम रेलवे के अंतर्गत पिछले पांच वर्षों अर्थात वित्त वर्ष 2018-19 से वित्त वर्ष 2022-23 में नई लाइन , आमान परिवर्तन, दोहरीकरण, यात्री सुविधाओं और रेल विद्युतीकरण के लिए योजना शीर्षों के अंतर्गत किया गया निधि आवंटन निम्नानुसार है:-

(करोड़ रु. में)

रेलवे	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
उत्तर रेलवे	3786.92	2763.05	9268.77	10655.86	15732.57
उत्तर मध्य रेलवे	1244.88	1940.42	1724.95	2938.91	4759.03
उत्तर पश्चिम रेलवे	1811.54	1996.68	1682.93	1867.04	2995.63

******

s.k